एक नजर में

पुलिस ने पकड़ी सवा दो लाख रूपए की ड्रग

रतलाम। बिलपांक थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए कुल वजनी 72 ग्राम कीमती करीबन 2 लाख 10 हजार रुपये की जब्त की हैं। प्रभारी अय्युब खान के नेतृत्व में थाना बिलपांक की टीम बनाकर अवैध शराब परिवहन में संलिप्त संदिग्ध लोगों की जानकारी प्राप्त करने हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किए गए। पुलिस के अनुसार सोमवार को उनि.दिनेश राठौर को बिरमावल चौकी पर विश्वसनीय मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति जिसने हल्की फिरोजी रंग की टीशर्ट व नीले रंग का लोवर पहना हुआ होकर रंग गोरा एवं दुबला पतला है जिसके पास अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए है जो पुलिस सहायता केन्द्र सातरुण्डा के पास खडा होकर कही जाने वाला है। यदि तत्काल दबिश दी जाने पर उसे एमडीएमए सहित पकडा जा सकता है देर करने पर उसके निकल जाने की पुर्ण संभावना है। मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर सातरुण्डा पर मुखबिर के बताए हुलिए का व्यक्ति दिखाई दिया। जो पुलिस को देखकर वहा से जल्दी जल्दी जाने लगा। जिस पर पुर्ण शंका होने से हमराह फोर्स व पंचान की मदद से घेराबंदी कर रोककर नाम पता पूछते उसने अपना नाम सुरेश पिता किसनाराम बिश्नोई उम्र 32 साल निवासी ग्राम पुर तहसील सांचोर जिला जालोर राजस्थान का होना बताया। संदेही सुरेश बिश्नोई की तलाशी लेते उसके द्वारा पहनी हुई लोवर पेंट की दाहिनी जेब के अंदर एक सफेद पारदर्शी प्लास्टिक की थैली में 72 ग्राम अवैध मादक पदार्थ मैडम मिला जिसे विधिवत जप्त किया गया। उक्त मादक पदार्थ एमडीएमए को अपने पास रखने व लाने ले जाने के संबंध में वैध लायसेंस कागजात आदि का पूछते नही होना बताया। आरोपी सुरेश पिता किसनाराम बिश्नोई का कृत्य धारा 8/22 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत दण्डनीय अपराध होने से आरोपी सुरेश बिश्नोई को उसके गिरफ्तार किया गया। आरोपी सुरेश बिश्नोई के विरुद्ध पृथक से धारा 8/22 एन.डी.पी.एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी को पी.आर. लेकर आरोपी से उक्त अवैध मादक पदार्थ कहा से लाने व किसे बेचने के संबंध में पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी बिलपांक मो. अय्युब खान, उनि.रामसिंह खपेड, उनि दिनेश राठौर प्रआर जयेन्द्रसिंह, आर. श्यामदयाल, आर योगेश वाल्के की महत्वपुर्ण भूमिका रही।

जीवन के अंदर धर्म और आध्यात्मिक की अलख जगाना है : डॉ संयमलता जी म.सा.

रतलाम। जीवन यापन के लिये धन चाहिए, आध्यात्म की प्रगति के शिखर पर चढ़ने के लिए धर्म चाहिए। जीवन के अंदर धर्म और आध्यात्मिक की अलख जगाना है। आप कौन हो, आप श्रावक हो श्रमणोंपासक हो श्रावक तीन अक्षर से मिलकर बना है जँहा श्र मतलब श्रद्धावन, व का अर्थ है विवेकवान एवं क का अर्थ है करुणावन। अर्थात जिस व्यक्ति में श्रद्धा, विवेक और करुणा हो वह सच्चा श्रावक होता है। लेकिन आज का श्रावक कैसा है की चार चुकिया, बारह भुलिया, और नौ का ना जाने नाम फिर भी श्रावक रखा है नाम। मतलब आज का श्रावक चार गति के बारे में नही जानता है, श्रावक के बारह व्रत का ज्ञान नही है और नौ तत्वों के बारे में भी नही जानता है। उक्त विचार दक्षिण चंद्रिका डॉ. संयमलता मसा ने नीमचौक जैन स्थानक पर आयोजित धर्मसभा मे व्यक्त करे। महासतीजी ने कहा कि जिनवाणी में श्रावक श्राविकाओं को सन्त सतियों के अम्मा पिया कहा गया है। मतलब श्रावक श्राविका सन्त सती के माता पिता के समान होते है, श्रावक का पेट बड़ा होता है उसे बातों को हजम करना आता है। धर्मसभा मे डॉ अमितप्रज्ञा मसा ने कहा कि निगोद के जीव एक क्षण में साढे सत्रह बार जन्म लेते हैं, निगोद मतलब जिसको मां की गोद नसीब नहीं हो। सांस लेते हैं और छोड़ने के पहले खत्म हो जाए वह निगोद होता है। एक बार जन्म मरण में अनंत अनंत वेदना होती है तो निगोद के जीव को बार-बार जन्म मरण करने में कितनी वेदना होती होगी।

सांसों का ऋण उतारने के लिए हर व्यक्ति करे वृक्षारोपण

रतलाम। रोटरी सोश्यल वेलफेयर चेरिटेबल ट्रस्ट रतलाम द्वारा संचालित रोटरी मिनी जंगल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। युवा संगीतकार सिद्धार्थ काश्यप के मुख्य आतिथ्य, डीआरएम अश्विनी कुमार के विशिष्ट आतिथ्य एवं वन विस्तार अधिकारी विष्णु लाल पाटीदार, एसडीओ वन विभाग प्रदीप कछावा के आतिथ्य में संपन्न इस कार्यक्रम में मिनी जंगल का नामकरण प्रमुख दानदाता रितेश वोहरा के पिताजी स्व. झमकलाल वोहरा के नाम पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिद्धार्थ काश्यप ने कहा कि प्रकृति ने हमको बहुत कुछ दिया है। हमारी सांसे भी प्रकृति की ही देन है और इन सांसों का ऋण उतारने के लिए हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह वृक्षारोपण करे। डीआरएम अश्विनी कुमार ने कहा कि मनुष्य ही सर्वाधिक प्रकृति का दोहन कर रहा है। आज की तमाम विपरीत स्थितियों के लिए सभी जिम्मेदार है। प्रकृति को बचाने के लिए सबको आगे आना चाहिए। ट्रस्ट अध्यक्ष प्रद्युम्न मजावदिया ने बताया कि ट्रस्ट को वन विभाग द्वारा 1 लाख 30 हजार वर्ग फीट भूमि आवंटित की गई है। इस भूमि पर ट्रस्ट द्वारा चरणबद्ध रूप से अनुमानित 5 हजार पौधों का रोपण कर मिनी जंगल के रूप में विकसित किया जा रहा है। भविष्य में यह स्थान रतलाम व आस-पास के नागरिकों के लिए पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित हो जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रेलवे अधिकारी मनोज छावड़ा, पियुष पाण्डे, वन विभाग के चिन्मय मिस्त्री, रोटरी क्लब रतलाम के अध्यक्ष हरीश वर्मा, सचिव दीपक पंत, अशोक तांतेड़, सुशील छाजेड़, भारतभुषण देवड़ा, विजय शिवानी, प्रखर डफरिया, संजय गोधा, अजीत छाबड़ा, अनुप सेठिया, ट्रस्ट एवं क्लब के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी अभियान का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

रतलाम। नशीले पदार्थों के बढ़ते उपयोग और उसके दुष्परिणामों के प्रति समाज को जागरूक करने हेतु पुलिस ने नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान शुरू किया हैं। अभियान का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलेगा।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार द्वारा हरी झंडी

पुलिस अधीक्षक ने हरी झंडी दिखाकर नशामुक्ति रथ को किया रवाना

दिखाकर नशामुक्ति अभियान के रथ को रवाना कर अभियान का शुभारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने की नागरिकों से अपील है कि इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करें एवं नशे से मुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में योगदान दें।

इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना, नशे की तस्करी एवं अवैध व्यापार पर नियंत्रण, और समाज के सभी वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में डीएसपी अजय सारवान के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पुलिस विभाग इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, साथ ही अन्य विभागों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ और शिक्षा संस्थानों का सहयोग भी लिया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, डीएसपी अजय सारवान, एसडीओपी किशोर पटनवाला, सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो, एसडीओपी जावरा संदीप मालवीय, रक्षित निरीक्षक मोहन भर्रावत, निरीक्षक अय्यूब खान, निरीक्षक पार्वती गौड़, सूबेदार मोनिका ठाकुर, आदि पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

विभिन्न संसाधनों के जरिए किया जाएगा जागरूक

अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा, जिनमें नुक्कड़ नाटक, बैनर, पोस्टर, पंपलेट वितरण, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रचार, वीडियो स्क्रीनिंग, सोशल मीडिया अभियान, सफाई वाहनों के माध्यम से संदेश प्रसारण, हेल्पलाइन और वेब पोर्टल प्रचार, ई-शपथ के लिए प्रोत्साहन, स्कूल - कॉलेजों में छात्रावास नशामुक्त समिति का गठन और छात्रों को हेल्थलाइन ऐप्स एवं काउंसलिंग से जोड़ना शामिल रहेगा।

यह होगी गतिविधिया

- 16 जुलाई : स्कूल/कॉलेजों में नशे के विरोध में रचनात्मक कार्यक्रम।
- 18 जुलाई : जनसंवाद, नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखल।
- 21 जुलाई : चित्रकला/निबंध प्रतियोगिताएं, रैली, मोटिवेशनल वार्ता।
- 25 से 27 जुलाई : महिला/व्यापारी वर्ग, धार्मिक स्थल, छात्रावासों में कार्यक्रम।
- 28 से 30 जुलाई : समापन समारोह, विभागीय समन्वय, सामूहिक शपथ व समीक्षा।

योजना की राशि धोखाधड़ी कर सरपंच एवं सचिव ने निकाली

नवभारत न्यूज

रतलाम। शासन की योजना राशि जमा करवाई गई। इसके बाद सरपंच व सचिव द्वारा सामान लाने की कहकर उक्त राशि निकाली

- बाजना के ग्रामीण ने की शिकायत
- जनसुनवाई में 73 आवेदन पर हुई सुनवाई

गई। अब चार माह हो गए, परंतु कार्य अधूरा हैं।

उक्त शिकायत जनसुनवाई में आवेदक लक्ष्मण पिता नाथु निवासी रायपाड़ा तहसील बाजना रतलाम ने की। शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत रायपाड़ा के सचिव एवं सरपंच द्वारा शासन की योजना अंतर्गत 4 माह पूर्व चबूतरा बनाने हेतु राशि जमा कि गई थी। मगर सरपंच एवं सचिव ने धोखाधड़ी कर उक्त राशि निकाल ली गई, मुझे विश्वास दिलाया गया कि चबूतरा बनाने के लिए सामान लाने के लिए उक्त राशि निकाली गई है किन्तु चबूतरा आधा

अधूरा बनाया गया है निर्माण कार्य पूर्ण नही किया जा रहा है, कार्यवाही हेतु सीईओ जनपद पंचायत बाजना को निर्देशित किया।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव ने आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये। जनसुनवाई में 73 आवेदन प्राप्त हुए। निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही उपस्थित विभागीय अधिकारियों से निराकरण करवाया गया एवं शेष आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में आवेदक गोविंद एवं मोहन निवासी ग्राम राजोटा तहसील बड़नगर द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत रतलाम से कनेरी सड़क मार्ग का डामर बिछाने का कार्य प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के सड़क ठेकेदार कसारा के पास जून 2024 में किया था। जिसका कुल 115300 रूपए की मजदूरी बनी थी, जिसमें से 24800 रूपए का भुगतान खाते में किया गया बाकि बचा हुआ 90500 रूपए का भुगतान ठेकेदार द्वारा आज तक नहीं किया गया है। ठेकेदार से पैसे मांगने पर ठेकेदार द्वारा भुगतान करने से मना कर दिया गया है, कार्यवाही हेतु श्रम पदाधिकारी रतलाम को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में आवेदक राजेश मईडा, प्रगति सहायक के पद पर कार्यालय उप संचालक पशु पालन एवं डेयरी विभाग रतलाम में 13 नवंबर 2024 से पदस्थ है, किन्तु आज तक वेतन आहरण नही किया गया न ही कार्यवाही से अवगत कराया गया है, कार्यवाही हेतु उप संचालक पशु पालन विभाग को निर्देशित किया गया। आवेदक कन्हैयालाल पिता लालूराम निवासी ग्राम सेजावता तहसील जावरा ने बताया कि ग्राम सेजावदा में 20 वर्षो से किराये के घर में निवास करता है व ठेलागाड़ी चलाकर परिवार का पालन पोषण करता है, शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में सम्मिलित होगर कुटीर स्वीकृत हो चुकी है किन्तु अभी तक शासन द्वारा भूखण्ड प्राप्त नही हुआ है।

मेवाड़ा वीर गायरी गुर्जर समाज महासभा का गठन

रतलाम। गायरी गुर्जर समाज की गत दिवस बैठक आयोजित हुई। बैठक में समाजजनों ने विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चार कर समाज विकास के लिए निर्णय लिए गए।

बैठक में अखिल भारतीय क्षत्रिय मेवाड़ा वीर गायरी गुर्जर महासभा का गठन किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीशचंद्र गुर्जर को मनोनीत किया। बैठक में कार्यकारिणी की आगामी रूप रेखा तय की गई। मध्यप्रदेश और राजस्थान के समाजजन बैठक में शामिल हुए। संचालन अध्यापक फूलचंद्र गुर्जर ने किया। आभार लाखनसिंह गुर्जर व (एडवोकेट) चौधरी अमय गुर्जर ने माना। जानकारी श्याम गुर्जर ने दी।

यह रहे मौजूद

बैठक में दिनेश गुर्जर, चौधरी दिनेश गुर्जर, जगदीश गुर्जर, नंदकिशोर गुर्जर, रामचंद्र गुर्जर, भारतलाल गुर्जर, अमय गुर्जर, विक्रमविश्वविद्यालय (प्रोफेसर) श्यामलाल गुर्जर, लाखनसिंह गुर्जर, फूलचंद गुर्जर, परमानंद गुर्जर, सरवन गुर्जर, श्याम गुर्जर, गोकुल गुर्जर, कन्हैयालाल गुर्जर, सरवन गुर्जर, अर्जुन गुर्जर, यश गुर्जर, भारतसिंह गुर्जर, जगदीश गुर्जर, महेश गुर्जर, विकास गुर्जर, अनिलसिंह गुर्जर, लखन गुर्जर, जगदीश गुर्जर आदि उपस्थित थे।

डामोर बने एनएसयूआई के विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व विधायक गेहलोत ने सौंपा नियुक्ति पत्र

सैलाना। छात्र राजनीति से ही कांग्रेस में स्वच्छ राजनीति की शुरुआत होती है। राग-द्वेष, छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब जैसी बातें कांग्रेस में महत्व नहीं रखतीं। यहां हर कार्यकर्ता समान होता है। मोहित डामोर सेवा भावी युवा हैं। उनके मन में जनसेवा की गहरी ललक है। इसी कारण उन्हें भारतीय राष्टीय छात्र संगठन के विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है यह बात पूर्व विधायक और प्रदेश कांग्रेस महासचिव हर्षविजय गेहलोत ने युवा नेता मोहित डामोर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए एक सादे और गरिमामय समारोह में कही। गेहलोत ने कहा कि मोहित कांग्रेस की रीति-नीति के अनुसार छात्र और समाज हित में बेहतर कार्य करेंगे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश पाटीदार ने कहा कि कांग्रेस ऐसा दल है जो समाज के हर वर्ग का ध्यान रखता है। सत्ता के लिए उसने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं

किया। युवाओं को जोश में होश नहीं खोना चाहिए। मोहित छात्रों और युवाओं के बीच निष्पक्षता से कार्य करेंगे। नगर परिषद अध्यक्ष चैतन्य शुक्ला ने कहा कि सैलाना क्षेत्र में कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत बनाए रखने का श्रेय गेहलोत परिवार को जाता है। हर्षविजय गेहलोत ने हमेशा सच का साथ दिया। उन्होंने कभी पद की परवाह नहीं की। मोहित डामोर इस जिम्मेदारी के योग्य हैं। संचालन और आभार प्रदर्शन वरिष्ठ पार्षद मंगलेश कसेरा ने माना। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता महेंद्र शुक्ला, श्रीराम चौधरी, बद्रीलाल पाटीदार, गोपाल पाटीदार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति के तहत खेलों को मिलेगा नया आयाम : डीईओ सागर

नवभारत न्यूज

रतलाम। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यालय स्तर पर खेल गतिविधियों को मजबूती देने हेतु रतलाम जिले में तीन दिवसीय शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

- उत्कृष्ट विद्यालय में 3 दिवसीय शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

जिसकी शुरुआत उत्कृष्ट उमावि रतलाम में उत्साहपूर्वक हुई।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अनीता सागर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य सुभाष कुमावत एवं एडीपीसी श्री अशोक लोढ़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ। श्रीमती सागर ने अपने उद्बोधन में

कहा कि नई शिक्षा नीति केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों के भीतर नेतृत्व, अनुशासन और सहयोग की भावना का विकास होता है। शिक्षक इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और विद्यालयों में खेलों को सशक्त रूप दें।

प्रशिक्षकों की रही सक्रिय भागीदारी : इस शिविर में प्रशिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें शामिल थे अशोक व्यास, राजेश कोठारी, महेंद्र शुक्ला, पृथ्वीराज सिंह राठौड़, राहुल परमार, के पुरोहित एवं शंकरलाल मालवीय। इन सभी ने खेल शिक्षकों को नवीन तकनीकों व व्यावहारिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाने का कार्य किया।

प्रशिक्षण : नई दिशा और दृष्टिकोण का माध्यम

प्राचार्य श्री कुमावत ने प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि शिक्षक केवल प्रशिक्षक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। यह शिविर केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए एक नई दिशा और दृष्टिकोण का माध्यम है, जो आने वाले समय में छात्रों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में सहायक सिद्ध होगा। संचालन पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र सिंह सोलंकी ने किया। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा प्रस्तुत किया गया। आभार प्रदर्शन प्रशिक्षक विजय रावल ने किया।

जमीन की बात को लेकर हुए विवाद, प्रकरण दर्ज

रिंगनोद। थाना के ग्राम मोरिया निवासी नंदकिशोर पिता कन्हैयालाल कुमावत का जीमन की बात को विवाद हुआ। शिकायत में बताया कि विवाद में दशरथ ने अनुसुईया पति दशरथ, अंकित पिता दशरथ कुमावत, पनित पिता दशरथ कुमावत के साथ मिलकर नंदकिशोर के साथ मारीपट की। वहीं पुलिस ने पुनित की रिपोर्ट पर नंदकिशोर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया।

गाय बांधने की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद

रतलाम। जिले के रिंगनोद थाना के ग्राम मोरिया में बाड़े में गाय बांधने की बात को लेकर अनिल पिता कारूलाल गुर्जर का उमराव सिंह उर्फ पप्पू का विवाद हो गया। विवाद में दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए। अनिल की शिकायत पर उमरावसिंह तथा उमरावसिंह की रिपोर्ट पर अनिल और कारूलाल पिता नाथु गुर्जर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया हैं।

पांचों इंद्रियों के हैं गुलाम, बुरे कर्मों को देते हैं अंजाम : डॉ अमृतरसा श्रीजी

जावरा। हम अपनी पांचों इंद्रियों के गुलाम है और उनके वशीभूत होकर ही हम बुरे कर्मो को अंजाम देते है। हमे न ही अनावश्यक बातों को सुनना और न ही देखना है। हमे अपने भावों को शुद्ध रखना है, अगर हमारे भाव बिगड़ेंगे तो हमारा भव बिगड़ना सुनिश्चित है। 84 लाख जीव योनि में केवल 58 लाख जीवो को ही परमात्मा ने सुनने की शक्ति दी है। हमे अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखना है, हमे अपने अशुभ कर्मो का पश्चाताप करना है तभी हमारा कल्याण होगा। बड़े ही सौभाग्य से हमे मनुष्य जीवन मिला है हमे इसे व्यर्थ नहीं गवाना है, कर्म एक रेस्टोरेंट की तरह है जिसमें कोई ऑर्डर देने की जरूरत नहीं है। अपने आप आपको अपने कर्मो का रिटर्न मिलता है हमाारे जीवन में विषमता, विविधता सभी हमारे कर्मो का ही परिणाम है किसी को हाथ नहीं है किसी को पैर नहीं है या देखने सुनने की शक्ति नहीं है ये सब हमारे अशुभ कर्मो के उदय के कारण ही होता है। कर्म सत्ता किसी को भी नहीं छोड़ती चाहे वो मनुष्य हो या तीर्थकर कर्मो का हिसाब तो चुकाना ही पड़ता है हमे अपनी आत्मा के उद्धार के लिए अशुभ कर्मो को छोड़कर शुभ कर्म करना चाहिए तभी हमारी गति सुधरेगी और हमारी आत्मा का कायाकल्प होगा। उक्त विचार साध्वी भगवंत डॉ अमृतरसा श्रीजी मासा ने पीपली बाजार उपाश्रय पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

एक नजर में — **जैन दिवाकर भवन पर प्रतिदिन हो रही धर्मसभा-**

जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही भुगतना पड़ता है फल

जावरा। कर्म का सिद्धांत अत्यंत कठोर है। जहां अच्छे कर्म व्यक्ति के जीवन को प्रगति की दिशा में ले जाते हैं, वहीं बुरे कर्म उसे पतन की ओर ले जाते हैं। धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य को किए हुए शुभ या अशुभ कर्मो का फल अवश्य भोगना पड़ता है। उदाहरण के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया की जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल भुगतना पड़ता है। इसलिए यह नितांत आवश्यक है की हम अपने कर्मो का लेखा-जोखा करें। हमारा अगला जन्म किस प्राणी के रूप में होगा, यह सब कुछ हमारे कर्मो पर ही निर्भर करता है। अनेक जन्मों में किए हुए कर्म हमारे अंतकरण में संग्रहीत रहते हैं। वे संचित कर्म कहलाते हैं और उनसे ही प्रारब्ध बनता है। इसलिए कर्म का फल उसी आत्मा का होता हैं जो कर्म करती है। कर्म के कारण ही हमारी वृद्धि और प्रकृति संचालित होती है। उक्त विचार तपस्विनी विदुषी पूज्य महासती सरिताश्री महाराज साहब, मधुर व्याख्यानी प्रियंकाश्री महाराज साहब ने दिवाकर भवन पर धर्मसभा को संबोधित

करते हुए व्यक्त किए। आपने आगे कहा देश, राज्य, समाज, परिवार को चलाने के लिए मर्यादा बनी है ताकी शांति कायम रहें, जिस प्रकार बीज को जला देने पर वह अंकुरित नहीं होते उसी प्रकार तप के माध्यम से मोह, राग, द्वेष रुपी कर्मो को जलाना आवश्यक है। जो प्रकृति के नियमों का पालन करता है। वह परमात्मा के करीब है, लेकिन ध्यान रहे यदि परमात्मा भी मनुष्य के रूप में अवतरित होता है तो वह उन सारे नियमों का पालन करता है जो सामान्य मनुष्यों के लिए हैं। लौकिक और पारमार्थिक कर्मो के द्वारा उस परमात्मा का पूजन तो करना चाहिए, पर उन किए हुए कर्मो और संसाधनों के प्रति अपनी आसक्ति न बढ़ाएं। मात्र यह मानें कि मेरे पास जो कुछ है, उस परमात्मा का दिया हुआ है। क्यों कि किए गए कर्मो का फल कभी तत्काल मिलता है तो कभी कालांतर में देरी से मिलता है। समुद्र हमेशा शांत रहता है इस प्रकार हमारी आत्मा का स्वभाव भी शांत चित्त है लेकिन कर्मो के कारण आत्मा मलिन हो सकती है भावों की शुद्धता रखना आवश्यक है। कर्म को पूजा मानते हुए

व्यक्ति जब राग-द्वेष को मिटा देता है तब उसके स्वभाव की शुद्धि होती है। उसके लिए समूची वसुधा एक परिवार दिखती है। उसका हर कर्म समाज के हित के लिए होता है। साधारण तौर पर हम कह सकते हैं कि कर्म किए बगैर व्यक्ति किसी भी क्षण नहीं रह सकता है। कर्म हमारे अधीन हैं, उसका फल नहीं। महापुरुष और ज्ञानीजन हमेशा से कहते रहे हैं कि अच्छे कर्मो को करने और बुरे कर्मो का परित्याग करने में ही हमारी भलाई है। सारा खेल कर्मो का है। हम कर्म अच्छा करते नहीं और फल बहुत अच्छा चाहते हैं। यह भला कैसे संभव होगा? जानकारी देते हुए श्रीसंघ अध्यक्ष इंदरमल टुकडियां एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश श्रीमाल ने बताया कि तपस्वी रत्न प्रकाश पितलीया ने 59 उपवास के प्रत्याख्यान महासतीजी से लिए। महासतीजी के आगम पर आधारित प्रवचन प्रतिदिन दिवाकर भवन पर गतिमान हैं। संचालन महामंत्री महावीर छाजेड़ ने किया।

सरस्वती शिशु मंदिर ने प्राप्त की ए ग्रेड

उज्जैन में विद्या भारती मानक परिषद का रिपोर्ट शेयरिंग कार्यक्रम हुआ आयोजित-

जावरा। सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र उज्जैन में विद्या भारती मानक परिषद का रिपोर्ट शेयरिंग कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर, कश्मीरी गली को ए ग्रेड प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्य शीला जैन को रिपोर्ट शेयर की गई। विगत दिनों में प्रांत के असेसरों ने मूल्यांकित विद्यालयों की रिपोर्ट संबंधित प्राचार्यो, समिति पदाधिकारियों को सौंपी गई। कार्यक्रम में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मालवा के सह सचिव अनुराग जैन, ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा के सह प्रांत प्रमुख कैलाश धनगर, सम्राट विक्रमादित्य प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र के निदेशक एवं मानक परिषद मालवा के संयोजक डॉ. रवीन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। विद्यालय की इस उपलब्धि पर विवेक भारती शिक्षण समिति के पदाधिकारियों ने समस्त विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।